हिंदी फिल्म संगीत में शास्त्रीय राग तत्त्व की रोमांचक प्रस्तुति

पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय, चर्चगेट में पिछले दिनों फिल्मी गीतों में शास्त्रीय संगीत की रोचक खोज का एक रोमांचक प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मशहूर संगीतकार श्री आनंद जी शाह थे। इस यादगार कार्यक्रम को भारतीय रेल यातायात सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री के. एल. पाण्डेय ने प्रस्तुत किया ।

वर्तमान में रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में सलाहकार (पर्यटन एवं खान-पान सेवाएँ) के महत्त्वपूर्ण पद पर कार्यरत श्री के.एल.पांडेय मात्र एक कुशल अधिकारी ही नहीं, अपितु शास्त्रीय संगीत के अच्छे ज्ञाता भी हैं। भारतीय रेल में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए आपने हॉलैंड, जर्मनी, फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, कनाडा, चीन, सिंगापुर, थाईलैंड, नेपाल इत्यादि देशों की यात्राएँ भी की हैं। आप सिद्धहस्त लेखक और कवि भी हैं। आपके अभी तक 'बाँसुरी' (कविता संग्रह), तिनके (लघु कथा संग्रह), भीगी हवाएँ (कविता संग्रह), 'पंछीलाल जी की आत्मा (व्यंग्य संग्रह), धरा रंगों से भरी (कविता संग्रह एवं 'मनके' (लघु कथा संग्रह) प्रकाशित हो चुके हैं। आपकी उक्त रचनाओं पर आपको विभिन्न पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जा चुका है, जिनमें रेल मंत्रालय द्वारा प्रदत्त मैथिली शरण गुप्त सम्मान-'बांसुरी' के लिए, महाकौशल साहित्य परिषद द्वारा 'भारत-भारती' सम्मान, रेल मंत्रालय द्वारा 'प्रेमचंद्र सम्मान'-'मनके' के लिए, संगीत के क्षेत्र में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के वाइस चांसलर द्वारा विशिष्ट गौरव सम्मान आदि मुख्य रूप से शामिल हैं। आपने स्व. ठाकुर सुखदेव बहादुर सिंह से भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहन शिक्षा प्राप्त की है। आपको हिन्दुस्तानी शास्त्रीय, पश्चिमी शास्त्रीय एवं पुराने हिंदी फिल्मी गीतों एवं पुरानी फिल्मों को देखने-सुनने एवं संग्रह की विशिष्ट रुचि है। आपके पास लगभग 2000 अंग्रेज़ी एवं 2000 हिन्दी फिल्मों तथा लगभग 1.5 लाख गीतों एवं उनकी दुर्लभ रिकार्डिंग का भी विशेष संग्रह है।



★ भारतीय रेल यातायात सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री के. एल. पाण्डेय फिल्मी गीतों में शास्त्रीय राग तत्व की रोमांचक प्रस्तुति करते हुए।

वर्तमान में आप संगीत के क्षेत्र में विशाल शोध कर रहे हैं। आपके द्वारा लिखित हिंदी फिल्म संगीत में राग तत्त्व/राग एलिमेंट्स इन हिन्दी फिल्म म्युज़िक के रूप में हिंदी एवं अंग्रेज़ी विश्वकोष शीघ्र ही प्रकाशित होने वाला है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक राग, गीतों के टाइटल, फिल्म रिलीज का वर्ष, गायक, गीतकार, संगीतकार, ताल स्केल इत्यादि का महीन विश्लेषण किया गया है। लगभग 1800 पृष्ठों से अधिक का यह प्रकाशन होगा। उक्त मुद्दों पर 7 विद्यार्थियों ने P.H.D के लिए अपने नाम पूर्व में ही दर्ज करा दिये हैं। आपने अब तक फैकल्टी ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स के रूप में इलाहाबाद युनिवर्सिटी, मनकुंवर बाई डिग्री कॉलेज जबलपुर, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़, गर्ल्स डिग्री कॉलेज रीवा, इंदौर और ग्वालियर, भातखंडे संगीत महाविद्यालय जबलपुर, सयाजी युनिवर्सिटी वडोदरा, भातखंडे संगीत युनिवर्सिटी लखनऊ में 'हिन्दी फिल्म' संगीत में राग तत्व का रोचक प्रस्तुतीकरण किया है। हर गीत शास्त्रीय राग पर ही आधारित होता है। हर गीत की व्याख्या श्री पाण्डेय को कंठस्थ है। संगीत के प्रति समर्पण, लगन एवं कठिन श्रम का परिणाम है कि वे लगभग हर गीत का अंतरंग जानते हैं, समझते हैं एवं समझने की इच्छा रखते हैं।

प्रशंसकों द्वारा पूछे गये भूले-बिसरे गीत, स्वर्णिम युग के संगीत एवं रिकॉर्डिंग की पूर्व परम्परा इत्यादि से भी अवगत कराते है। सही मायनों में संगीत मर्मज्ञ के रूप में संगीत के प्रति उनकी निष्ठा प्रशंसनीय है। गीत एवं संगीत से उनका लगाव उन्हें श्रेष्ठ ज्ञाताओं में सम्मिलित करता है। गहरे समुद्र में गोता लगाने वालों को ही दुर्लभ-रत्न मिलते है। ठीक उसी प्रकार संगीत के महासमुद्र में उनकी नित-नई खोज और पहचान करने की प्रबल इच्छा उनमें छिपे उम्दा, संगीत प्रेमी और सच्चे कलाकार को परिलक्षित करती है।

पश्चिम रेलवे कला एवं सांस्कृतिक संगठन के बैनर तले प्रधान कार्यालय के गोडबोले हॉल में श्रोताओं को श्री के. एल. पाण्डेय की रोमांचक प्रस्तुति का मधुर रसपान करने का अवसर प्राप्त हो सका। पश्चिम रेलवे कला एवं सांस्कृतिक संगठन के सचिव श्री संतोष कुमार झा स्वयं कला प्रेमी हैं। अतः उनके नेतृत्व में संगठन द्वारा समय-समय पर अनेक महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं, जिनमें पिछले दिनों मैंडोलिन वादक श्री किशोर देसाई, गायिका सुश्री मुबारक बेगम, शायर श्री निदा फाज़ली, गीतकार श्री नक्श लायलपुरी एवं वरिष्ठ साहित्यकार श्री विश्वनाथ सचदेव जैसी मशहूर हस्तियों के यादगार कार्यक्रम मुख्य रूप से शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे की अंतरमंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का मुंबई में आयोजन

पश्चिम रेलवे पर प्रत्येक वर्ष सम्पन्न होने वाली अंतरमंडलीय नृत्य, संगीत, नाटक प्रतियोगिताओं का इस वर्ष 29 एवं 30 जून, 2013 को मुंबई में आयोजन किया गया। इस वर्ष इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी प्रधान कार्यालय, चर्चगेट द्वारा की गई। इस वर्ष हिंदी,मराठी और गुजराती एकांकिकाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसी प्रकार सुगम संगीत, शास्त्रीय संगीत तथा वाद्य संगीत प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। सुगम संगीत प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्रथम क्रमांक पर रहे दाहोद वर्कशॉप के श्री भूपेन्द्र कुमार रॉय, वहीं द्वितीय क्रमांक पर प्रधान कार्यालय के श्री सरोज सुमन एवं तृतीय क्रमांक पर महालक्ष्मी वर्कशॉप के श्री अनुराग भंडारी रहे।

सुगम संगीत प्रतियोगिता में महिला वर्ग में प्रथम सुश्री डेज़ी फरगोज़ प्रथम, रतलाम की कु. अंकिता ब्रम्हे द्वितीय तथा अहमदाबाद की सुश्री सलोनी भट्ट तृतीय रही।

शास्त्रीय संगीत की पुरुष श्रेणी में प्रथम-श्री अतुल नायर-वडोदरा, द्वितीय श्री गगन दलवी-रतलाम तथा तृतीय श्री मकरंद भागवत-प्रधान कार्यालय रहे। शास्त्रीय संगीत (महिला) श्रेणी में प्रथम-कु. ऐश्वर्या-वडोदरा, द्वितीय-श्रीमती अपर्णा अपराजित-प्रधान कार्यालय और तृतीय-श्रीमती अनिता पाध्ये-परेल वर्कशॉप रहीं। वाद्य संगीत में तबले के अंतर्गत प्रथम श्री कृतार्थ-वडोदरा, द्वितीय श्री तन्मय थिटे-महालक्ष्मी वर्कशॉप तथा तृतीय श्री लखनलाल-दाहोद रहे।

वाद्य संगीत (विंड एवं स्ट्रिंग) में प्रथम श्री रघुराज अजगांवकर, द्वितीय श्री ज़ुबिन-वडोदरा तथा तृतीय श्री अभयदीप-दाहोद रहे।

शास्त्रीय नृत्य (एकल नृत्य) में प्रथम कु. ऐश्वर्या नायर-वडोदरा, द्वितीय सुश्री उर्वी सुखी-मुंबई सेंट्रल तथा तृतीय सुश्री अक्षरा नायर-प्रधान कार्यालय रहीं।

लोक नृत्य-समूह नृत्य में प्रथम काटीधान-प्रधान कार्यालय, द्वितीय घुसाड़ी घाघरा-परेल वर्कशॉप तथा तृतीय मोनिका एवं ग्रुप-रतलाम रहे। शास्त्रीय नृत्य में अहमदाबाद का महाकाली ग्रुप प्रथम रहा। हिन्दी, गुजराती और मराठी एकांकिका में प्रधान कार्यालय की 'रावण नीति' एकांकिका प्रथम, परेल वर्कशॉप की 'अघटित' द्वितीय तथा अहमदाबाद की गुजराती एकांकी 'अपघात' तृतीय रही। सर्वोत्कृष्ट अभिनेता का प्रथम पुरस्कार अहमदाबाद की 'अपघात' एकांकी के कलाकार श्री विनोद वर्मा को मिला। सर्वोत्कृष्ट अभिनेता का द्वितीय पुरस्कार 'अघटित' के श्री किरण पाटिल ने पाया। सर्वोत्कृष्ट अभिनेत्री का प्रथम पुरस्कार प्रधान कार्यालय की एकांकी 'रावणनीति' की अभिनेत्री सुश्री निवेदिता तिजोरीवाला एवं द्वितीय पुरस्कार श्रीमती अपर्णा अपराजित ने प्राप्त किया।

सर्वोत्कृष्ट निर्देशक-श्री विनोद वर्मा, सर्वोत्कृष्ट प्रकाश व्यवस्था-श्री देवेन्द्र कोरी और श्री श्याम चव्हाण, सर्वोत्कृष्ट संगीत-कु. आरती गोसावी तथा सर्वोत्कृष्ट मंच व्यवस्था का पुरस्कार वडोदरा के श्री कुलदीप पाटील को प्रदान किया गया।

श्रीमती पूजा संजय पवार
कार्यालय अधीक्षक, परिवहन विभाग, पश्चिम रेलवे, चर्चगेट